

Padma Shri



SHRI SHYAM SUNDER PALIWAL

Shri Shyam Sunder Paliwal, popularly known as 'Father of Eco-Feminism', is the creator of Piplantri Model Village, who beautifully combined and secured two essential aspects by planting 111 trees on the birth of every girl child in his Panchayat. Piplantri is now model for the villages in India and abroad. He was elected as the Sarpanch of Piplantri Gram Panchayat of Rajsamand District, Rajasthan, in 2005 and implemented his innovative idea to save the girl child, trees, water, land and wildlife by providing environment related employment to the community. Piplantri that was once considered a barren land now has more than 3.5 lakh trees, and female foeticide is zero.

2. Born on 9th July, 1967, Shri Paliwal got a tough childhood as he lost his mother at the age of 6. He worked in the surrounding marble mines in young age but returned to Piplantri as he always wanted to serve his motherland. The inspiration to save girls, trees and water came in 2007 when his daughter Kiran died of dehydration at the age of 18, and he planned to start Kiran Nidhi Yojana. On the birth of every girl 111 saplings are planted, a fixed amount is deposited in the bank through contributions to ensure proper education and her upbringing, which can only be withdrawn after the girl attains the age of 18. Every girl who marries, plants one tree. Also people plant 11 saplings whenever they lose a loved one.

3. Shri Paliwal never looked back from his mission to enrich his panchayat and empower women. The beginning was small but the vision and dedicated efforts resulted in bringing all modern facilities to the panchayat. He has generated employment opportunities for villagers especially for women. Aloe vera was extensively planted under his direction. Its juice, gel and pickle are prepared by women, which are sold globally. The brand name 'Gramodyog Piplantri' is a global term coined by village women.

4. Shri Paliwal has been working for the schemes of every field like health, education, employment, roads, farming etc. and is still active for social development in the same way. There is no rural development scheme of the central and state government that has not been implemented in the panchayat Piplantri during his tenure as Sarpanch. Water conservation techniques adopted here attract the delegates Agriculture Scientists from abroad to learn it. He is the Chairman of 'Watershed Committee, Piplantri'. His efforts have relieved the people of the region from drought and famine forever. Rajasthan Board of Secondary Education has introduced a chapter of his work in Social Science. Not being very well educated, Shri Paliwal passed class XII examination in the year 2020.

5. Shri Paliwal's contribution towards social upliftment has been acknowledged repeatedly by the Government and various other organizations at the State, national and international levels. In 2007, he received the 'Nirmal Gram Puraskar' from the then President APJ Abdul Kalam. In the year 2015, he received the prestigious 'Maharana Mewar Award' by the Maharana Mewar Foundation for the contribution to social work. He was honored by Jaipur Rajmata Padmini Devi and received the 'Dulhraj Award' in the year 2019. In the same year, he got 'Jal Prahari Samman' by Union Minister Mr. Gajendra Singh Shekhawat. He was the key speaker at the launch of 'Sansad Adarsh Gram Yojna'. He was awarded by the Honorable Prime Minister Mr. Narendra Modi for being among top 5 villages of India. He participated in Karmveer episode of KBC with Amitabh Bachchan on 8 November 2019. The entire amount won through the show was donated to the schemes run for the upliftment of women.



श्री श्याम सुन्दर पालीवाल

‘इको-फेमिनिज्म के जनक’ के रूप में मशहूर श्री श्याम सुंदर पालीवाल राजस्थान के राजसमंद जिले के पिपलांत्री आदर्श गांव के सृजनकार हैं। उन्होंने अपनी पंचायत में हर बालिका के जन्म पर 111 पेड़ लगाते हुए दो जरूरी पहलुओं को बड़ी खूबसूरती से जोड़ा और सुरक्षित किया। पिपलांत्री अब भारत और विदेश में एक आदर्श गांव के रूप में जाना जाता है। उनको वर्ष 2005 में पिपलांत्री ग्राम पंचायत का सरपंच चुना गया और उन्होंने समुदाय को पर्यावरण से जुड़ा रोजगार प्रदान करते हुए बालिकाओं, पेड़ों, जल, जमीन और वन्य जीवों को बचाने के अपने अनोखे विचार को मूर्त रूप दिया। कभी एक बंजर इलाका रहे पिपलांत्री में अब 3.5 लाख से ज्यादा पेड़ हैं और बालिका भ्रूण हत्या शून्य है।

2. 9 जुलाई, 1967 को जन्मे श्री पालीवाल का बचपन बहुत मुश्किलों से भरा था। 6 वर्ष की उम्र में उनकी मां का देहांत हो गया। वह कम उम्र से ही आसपास की संगमरमर की खदानों में काम करने लगे लेकिन फिर पिपलांत्री लौट गए क्योंकि वह हमेशा से अपनी जन्मभूमि की सेवा करना चाहते थे। वर्ष 2007 में उन्हें बालिकाओं, पेड़ों और पानी को बचाने की प्रेरणा मिली, जब उनकी बेटी किरण की 18 साल की उम्र में डिहाइड्रेशन से मौत हुई तो उन्होंने किरण निधि योजना शुरू करने की योजना बनाई। हर बालिका के जन्म पर 111 पौधे लगाए जाते हैं और उसकी समुचित शिक्षा तथा पालन-पोषण के लिए पैसे इकट्ठा करके बैंक में एक निश्चित राशि जमा कराई जाती है, जिसे उस लड़की के 18 साल की होने के बाद ही निकाला जा सकता है। हर लड़की अपने विवाह के समय एक पेड़ लगाती है। साथ ही, किसी प्रियजन को खोने पर लोग 11 पेड़ लगाते हैं।

3. श्री पालीवाल ने अपनी पंचायत को खुशहाल बनाने और महिलाओं को सशक्त बनाने के अपने मिशन से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। शुरुआत छोटी थी लेकिन उनके विजन और लगन से पंचायत में सभी आधुनिक सुविधाएं आईं। उन्होंने ग्रामवासियों, खास तौर पर महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। उनके निर्देशन में एलोवेरा को बड़ी मात्रा में लगाया गया। महिलाएं उसका रस, जैल और अचार तैयार करती हैं, जिसे विश्व स्तर पर बेचा जाता है। ‘ग्रामोद्योग पिपलांत्री’ ब्रांड नाम गांव की महिलाओं द्वारा गढ़ा गया है।

4. श्री पालीवाल स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, सड़कें, खेती, आदि जैसे दूर क्षेत्र की योजनाओं के लिए काम करते रहे हैं और आज भी उसी तरह से सामाजिक विकास में सक्रिय हैं। उनके सरपंच रहते हुए केंद्र और राज्य सरकार की कोई ग्रामीण विकास योजना ऐसी नहीं है, जिसे पिपलांत्री पंचायत में लागू न किया गया हो। यहां अपनाई गई जल संरक्षण तकनीकों को सीखने के लिए विदेश के कृषि वैज्ञानिकों के प्रतिनिधि का ध्यान आकृष्ट किया। वह ‘वाटरशेड कमेटी, पिपलांत्री’ के चेयरमैन हैं। उनके प्रयासों ने इस इलाके के लोगों को हमेशा के लिए सूखे और अकाल से छुटकारा दिला दिया है। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने सोशल साइंस विषय में उनके कार्य पर एक अध्याय जोड़ा है। वह उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर पाए थे, उन्होंने वर्ष 2020 में बारहवीं की परीक्षा पास की।

5. सामाजिक उत्थान में श्री पालीवाल के योगदान को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और तमाम दूसरे संगठनों ने बार-बार सराहा है। वर्ष 2007 में उन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति श्री ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा ‘निर्मल ग्राम पुरस्कार’ दिया गया। वर्ष 2015 में, अपने सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन द्वारा प्रतिष्ठित ‘महाराणा मेवाड़ पुरस्कार’ प्रदान किया गया। उन्हें जयपुर राजमाता पद्मिनी देवी द्वारा सम्मानित किया गया और वर्ष 2019 में ‘दुल्हराज पुरस्कार’ दिया गया। उसी साल केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें ‘जल प्रहरी सम्मान’ से सम्मानित किया। वह ‘सांसद आदर्श ग्राम योजना’ के उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता थे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपने गांव को भारत के पांच अव्वल गांवों में स्थान दिलाने के लिए पुरस्कृत किया। उन्होंने 8 नवंबर, 2019 को अमिताभ बच्चन के साथ कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के कर्मवीर एपिसोड में हिस्सा लिया। इन शो में जीती गई पूरी राशि महिलाओं के उत्थान के लिए चल रही योजनाओं के लिए दान कर दी गई।